Syllabus for 4 year Undergraduate Program

FYUGP

Department of Economics

सेशन – 2025–26	प्रोग्राम – बी.ए.
सेमेस्टर – **VII**	कोर्स शीर्षक – उन्नत व्यष्टि अर्थशास्त्र – I
कोर्स प्रकार - **DSC**	कोर्स कोड –
क्रेडिट – 04	लेक्चर – 60
M.M.-80 (ESE)+20 (IA)	न्यूनतम पासिग मार्क– 40

कोर्स लर्निंग आउटकम - (CLO)	**1.** विद्यार्थी महत्वपूर्ण अवधारणाओं को समझ सकेगा । **2.** उपभोक्ताओं एवं उत्पादकों की निर्णाय प्रक्रिया की अवधारणा को समझ सकेंगे। **3.** विभिन्न बाजार दशाओं में फर्मो के संतुलन की अवधारणा को समझ सकेंगे।

10.7.2025

Ishwari.

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
बी.ए. सेमेस्टर – VII
उन्नत व्यष्टि अर्थशास्त्र – I
(Advanced Micro Economics - I)
DSC

इकाई – 1 परिचय, आधारभूत अवधारणाएं एवं मांग का विश्लेषण, आधारभूत आर्थिक समस्या–चयन एवं सीमितता, विश्लेषण की निगमन एवं आगमन रीतियां, वास्तविक एवं आदर्शात्मक अर्थशास्त्र, आर्थिक मॉडल, संतुलन एवं असंतुलन प्रणालियों की विशेषताएं, मांग की (कीमत, आड़ी. आय) लोच सैद्धांतिक पक्ष एवं अनुभव सिद्ध प्राक्कलन। पूर्ति की लोच। मांग के सिद्धांत–उपयोगिता।

इकाई – 2 तटस्थता वक (आय एवं प्रतिस्थापन प्रभाव, स्लट्रकी प्रमेय) एवं उनके प्रयोग, उद्घाटित अधिमान सिद्धांत, हिक्स का मांग सिद्धांत का संशोधन, वस्तु दृष्टिकोण की विशेषताएं, उपभोक्ता की बचत, कीमत निर्धारण का आरंभिक सिद्धांत मांग एवं पूर्ति का संतुलन, उत्पादन का सिद्धांत उत्पादन फलन–अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन, परिवर्तनशील अनुपातों का नियम एवं पैमाने के प्रतिफल।

इकाई – 3 समोत्पाद वक आगतों का न्यूनतम लागत संयोग, साधनों का प्रतिफल, पैमाने की बचतें, प्रतिस्थापन की लोच, यूलर का प्रमेय, तकनीकी प्रगति और उत्पादन फलन, कॉब डगलस उत्पादन फलन, लागत एवं आगम विश्लेषण, कीमत एवं उत्पादन निर्धारण में सीमान्त विश्लेषण दृष्टिकोण, पूर्ण प्रतियोगिता –फर्म एवं उद्योग का अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन संतुलन, कीमत एवं उत्पादन निर्धारण, पूर्ति वक, एकाधिकार अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन संतुलन, कीमत विभेद, राशिपातन, कल्याणकारी पक्ष, एकाधिकार नियमन एवं नियंत्रण।

इकाई – 4 एकाधिकृत प्रतियोगिता संतुलन का सामान्य एवं चैम्बरलिन दृष्टिकोण, फर्म एवं समूह का संतुलन, विभेदीकृत उत्पादन एवं विकय लागतों सहित, एकाधिकृत एवं अपूर्ण प्रतियोगिता में अतिरिक्त क्षमता, एकाधिकृत प्रतियोगिता की आलोचना। अल्पाधिकार गैर समझौता (कूर्नो, बर्ट्रेण्ड, एजवर्थ, चैम्बरलिन विकुंचित मांग वक्र) मॉडल व्यवस्था एवं समझौता (कार्टेल एवं विलय, कीमत नेतृत्व एवं आधार विन्दु कीमत मॉडल)

संदर्भ ग्रंथ :–

1. बंसल एवं अग्रवाल उच्च आर्थिक सिद्धांत
2. सी.एस.वरला उच्चतर व्यक्तिगत अर्थशास्त्र
3. एच.एल.आहूजा उच्चतर व्यष्टिगत् अर्थशास्त्र
4. केप्स, डेविड, एम. (1900) "ए कोर्स इन माइको इकानामिक्स थ्योरी" यूनिवर्सिटी प्रिंसटन
5. Kaut Sayiannis ; A (1970) Modern Micro Economics (2nd edition) Memillan Press London

10.7.2025

Ishwari,

Syllabus for 4 year Undergraduate Program

FYUGP

Department of Economics

सेशन – 2025–26	प्रोग्राम – बी.ए.
सेमेस्टर – VII	कोर्स शीर्षक – उन्नत समष्टि अर्थशास्त्र – I
कोर्स प्रकार – **DSE -1A**	कोर्स कोड –
क्रेडिट – 04	लेक्चर – 60
M.M.-80 (ESE)+20 (IA)	न्यूनतम पासिंग मार्क– 40

कोर्स लर्निंग आउटकम - (CLO)	• विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के बाद समष्टि अर्थशास्त्र की विभिन्न अवधारणाओं को समझ सकेंगे। • उन्हें उपभोग एवं निवेश फलन के बारे में अच्छा ज्ञान मिल सकेगी ।

10.7.2025

Ishwari

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
बी.ए. सेमेस्टर – VII
उन्नत समष्टि अर्थशास्त्र – I
(Advanced Macro Economics ~~-~~ I)
DSE - 1A

इकाई – 1 राष्ट्रीय आय एवं लेखांकन राष्ट्रीय आय एवं उत्पादन की अवधारणा, आय का चकीय प्रवाह, दो, तीन व चार क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में, राष्ट्रीय आय लेखांकन के विभिन्न रूप–सामाजिक लेखांकन, अदा–प्रदा लेखांकन, कोष प्रवाह एवं भुगतान शेष लेखांकन।

इकाई – 2 उपभोग फलन कीन्स का मनोवैज्ञानिक नियम, अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन उपभोग फलन, उपभोग फलन के अनुभव सिद्ध प्रमाण–सापेक्ष आय परिकल्पना, निरपेक्ष आय परिकल्पना, स्थायी आय परिकल्पना एवं जीवन चक परिकल्पना।

इकाई – 3 विनियोग फलन पूंजी व विनियोग की सीमांत क्षमता, विनियोग व्यवहार, बचत एवं विनियोग समानता, त्वरक, गुणक, महागुणक, मुद्रा की पूर्ति, उच्च शक्ति मुद्रा, मुद्रा पूर्ति नियंत्रण, विमुद्रीकरण ।

इकाई – 4 मुद्रा की मांग–मुद्रा का परिमाण सिद्धांत, नकद शेष दृष्टिकोण, कीन्स का मुद्रा मांग सिद्धांत, मुद्रा की मांग की कीन्सोत्तर अवधारणा पेटिनकिन, बामोल, टॉबिन, फ्रिडमैन, गुर्ले–शा।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. समष्टि अर्थशास्त्र – जी. सी. सिंघई
2. मेक्रो अर्थशास्त्र – टी.टी. सेठी
3. समष्टिगत अर्थशास्त्र – वी.सी. सिन्हा
4. Jka R – Contemporary macro economics theory & policy
5. समष्टिगत आर्थिक विश्लेषण – मिश्र एवं गुप्ता
6. मेको आर्थिक विश्लेषण – वार्ष्णेय एवं मिश्रा

10-7-2028

Ishwari.

Syllabus for 4 year Undergraduate Program

FYUGP

Department of Economics

सेशन – 2025–26	प्रोग्राम – बी.ए.
सेमेस्टर – VII	कोर्स शीर्षक – उन्नत सांख्यिकी
कोर्स प्रकार – **DSE -1B**	कोर्स कोड –
क्रेडिट – 04	लेक्चर – 60
M.M.-80 (ESE)+20 (IA)	न्यूनतम पासिग मार्क– 40

कोर्स लर्निंग आउटकम - (CLO)	• छात्र सांख्यिकी विश्लेषणात्मक अध्ययन समझ सकेंगे। • छात्र दो चरों के बीच गुण संबंध एवं संभावना का अध्ययन कर भविष्य के मूल्यों के बारे में पूर्वानुमान लगाने में सझम होंगे। • यह कोर्स अर्थशास्त्र के छात्रों में व्यापक शोध का आधार तैयार करेंगा।

10.7.2025

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
बी.ए. सेमेस्टर – VII
उन्नत सांख्यिकी
(Advanced Statistics)
DSE – 1B

इकाई – 1 विषमता–सममिती तथा असममिती वितरण, विषमता की माप कार्ल पियर्सन का विषमता गुणांक, बाउले का विषमता गुणांक, सहसंबंध सहसंबंध की माप कार्ल पियर्सन का सहसंबंध गुणांक, स्पियर मैन का श्रेणी अंतर सहसंबध, न्यूनतम वर्ग रीति, द्वारा सहसंबध गुणांक, सहसंबंध में संभाव्य एवं प्रमाप विभ्रम।

इकाई – 2 प्रतीपगमण विश्लेषण प्रतीपगमण एवं सहसंबंध, प्रतीपगमन रेखाएं एवं प्रतीपगमन गुणांक, प्रतीपगमन समीकरण, बहुगुणी प्रतीपगमन विश्लेषण (तीनों चरों में) प्रतीपगमन गुणांक, प्रमाप विभ्रम। अन्तर गणन एवं बाह्य गणन– एकेन्द्र वक रीति, न्यूटन की प्रगामी अन्तर–रीति, द्विपद विस्तार विधि एवं लेंग्रेज की रीति।

इकाई – 3 गुण संबंध अर्थ एवं प्रकार, आंकड़ों की संगतता, गुणसंबंध निर्धारण की रीतियां, अनुपात तुलना रीति, यूल का गुण संबंध गुणांक, संभावना अर्थ एवं परिभाषा, कमचय तथा संचय घटनाओं के विभिन्न प्रकार। संभावना की माप, योग एवं गुणन प्रमेय, सूचकांक फिशर का निर्देशांक, उपभोक्ता मूल्य निर्देशांक, जीवन निर्वाह निर्देशांक, समय तथा तत्व उत्काम्यता परीक्षण।

इकाई – 4 कालश्रेणी विश्लेषण–कालश्रेणी के विभिन्न घटक, अल्पकालीन उच्चावचन, दीर्घकालीन प्रवृत्ति, चल माध्य रीति, अर्द्ध मध्यक रीति, न्यूनतम वर्ग रीति। खेल का सिद्धांत, फलन अर्थ एवं फलन के प्रकार।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Gupta S.P. And Others, Quantitative Techniques, Sultan Chand And Sons, New Delhi.
2. Shukla S.M. And S.P. Sahay, Quantitative Methods Sahitya Bhawan Publication,Agra
3. Chiang A.C. Fundamental Methods of Mathematical Economics, MeGraw Hill, New York
4. Boumol W.J. Economic Theory and Operational Analysis, Prentice Hall, Englewood Cliffs, New Jersey.
5. मेहता एवं मदनानीए अर्थशास्त्र में प्रारंभिक गणित लक्ष्मीनारायण अग्रवालए आगरा–3
7. Sancheti, D.C., Quantitative Methods, Sultan Chand And Sons, New Delhi.
6. Agrawal, D.R. Quantitative Methods, Vrinda Publication (P) Ltd.
8. Monga, G.S. (1972), Mathematics And Statics For Economics, Vikas Publishing House, New Delhi.
9. Special, M.R. (1992), Theory and Problems of Statistics, Mcgraw Hill Book Co., London.

10.7.2025

Ishwari

Syllabus for 4 year Undergraduate Program

FYUGP

Department of Economics

सेशन – 2025–26	प्रोग्राम – बी.ए.
सेमेस्टर – **VII**	कोर्स शीर्षक – शोध प्रविधि एवं कम्प्यूटर विश्लेषण
कोर्स प्रकार – **DSE -1C**	कोर्स कोड –
क्रेडिट – 04	लेक्चर – 60
M.M.-80 (ESE)+20 (IA)	न्यूनतम पासिग मार्क– 40

कोर्स लर्निंग आउटकम - (CLO)	• विद्यार्थी समंक संकलन की रीतियों एवं निदर्शन की विधियों को समझ सकेगा । • विद्यार्थी सार्थकता परीक्षण का ज्ञान प्राप्त कर सकेगा। • विद्यार्थी कम्प्यूटर के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेगा ।

Sumit

Dr Sumit Shrivastava

Dr. Meena prasad

Dr. Dinesh Prasad

Dr. Khemarani Dubey

अर्थशास्त्र

सत्र 2025–26

बी.ए. सेमेस्टर – VII

शोध प्रविधि एवं कम्प्यूटर विश्लेषण

(Research Methods & Computer Analysis)

DSE - 1C

इकाई – 1 शोध प्रविधि एवं शोध विधियाँ। शोध अर्थ एवं शोध के प्रकार। सांख्यिकी शोध के विभिन्न चरण। आंकड़े अर्थ, प्राथमिक एंव द्वितीयक आंकड़े। प्राथमिक समंक संकलन की रीतियाँ, द्वितीयक समंक। प्राथमिक तथा द्वितीयक समंको का संपादन। आंकड़ों का वर्गीकरण तथा सारणीयन अर्थ, उद्देश्य, प्रकार आंकड़ों का सारणीकरण।

इकाई – 2 प्रश्नावली अर्थ, महत्व तथा प्रश्नावली का निर्माण। निदर्शन–अर्थ तथा न्यादर्श की आवश्यकता। समग्र तथा न्यादर्श अर्थ एवं विधियां। निदर्शन की रीतियाँ– दैव निदर्शन तथा अदैव निदर्शन। न्यादर्श का आकार। निदर्शन के गुण तथा सीमाएं। निदर्शन की विभिन्न रीतियाँ।

इकाई – 3 परिकल्पना अर्थ, विशेषताएँ एवं प्रकार। सार्थकता परीक्षण–बड़े न्यादर्श (केवल सैद्धांतिक) एवं छोटे न्यादर्श। स्टूडेण्ट का t परीक्षण। 'F परीक्षण एवं काई वर्ग परीक्षण।

इकाई – 4 कम्प्यूटर अर्थ, कम्प्यूटर के विभिन्न प्रकार, कम्प्यूटर की विशेषताएँ, कम्प्यूटर का इतिहास, कम्प्यूटर के विभिन्न भाग–हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर, आर्थिक अनुसंधान में कम्प्यूटर का उपयोग। इंटरनेट की प्रारंभिक जानकारी। अनुसंधान नैतिकता।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Kothari, C.R. Research Methodology.
2. Sharma, Dr. Ramnath, Methods and Techniques of Social Survey and Research, A Rajhans Publication.
3. Bajpai, Dr. S.R. Methods of Social Survey and Research, Kitab Ghar. Kanpur -3
4. मुखर्जी, रविन्द्रनाथ, सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी, विवेक प्रकाशन, जवाहर दिल्ली–7
5. शुक्ला एवं सहाय, सांख्यिकी के सिद्धांत साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा

Sumit

Dr Sumit Shrivastava

Dr. Meena prasad

Dr. Dinesh Prasad

Dr. Khemarani Dubey

Syllabus for 4 year Undergraduate Program

FYUGP

Department of Economics

सेशन – 2025–26	प्रोग्राम – बी.ए.
सेमेस्टर – VII	कोर्स शीर्षक – औद्योगिक अर्थशास्त्र
कोर्स प्रकार – **GE**	कोर्स कोड –
क्रेडिट – 04	लेक्चर – 60
M.M.-80 (ESE)+20 (IA)	न्यूनतम पासिग मार्क– 40

कोर्स लर्निंग आउटकम - (CLO)	• छात्र को उद्योगों की अवधारणा एवं औद्योगिकरण की आवश्यकता समझ सकेंगे। • भारत की औद्योगिक नीति बाजार की नई प्रकृति के साथ साथ भारत के लघु एवु कुटीर उद्योगो के बारे में छात्र समझ सकेंगे। • भारत मे कृषि एवं औद्योगिक वितरण जान सकेंगे।

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
बी.ए. सेमेस्टर – VII
औद्योगिक अर्थशास्त्र
(Industrial Economics)
GE

इकाई – 1 औद्योगीकरण की परिभाषा एवं आवश्यकता। औद्योगीकरण की अवस्थाएं एवं निर्धारक तत्व। अल्प विकसित देशों में औद्योगिक समस्याएं एवं दूर करने के उपाय। औद्योगिक स्थानीकरण से आशय एवं प्रभावित करने वाले घटक ।

इकाई – 2 औद्योगिक इकाई अथवा फर्म का आकार, प्रभावित करने वाले घटक, आकार की माप, अनुकूलतम फर्म की अवधारणा। भारत की औद्योगिक नीति 1991 एवं बाजार की नई प्रवृत्तियां उदारीकरण, निजीकरण एवं भूमण्डलीकरण।

इकाई – 3 औद्योगिक वित्त भारत में औद्योगिक विकास हेतु सुलभ वित्तीय संस्थाएं–आई.डी.बी. आई, आई.एफ.सी. आई.एस.एफ.सी. एवं एस.आई.डी.सी., व्यापारिक बैंकों की भूमिका। उद्योगों में विवेकीकरण से आशय, लाभ व हानि।

इकाई –4 औद्योगिक संघर्ष– कारण, परिणाम एवं दूर करने के उपाय। श्रम कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षाएं। भारत के लघु एवं कुटीर उद्योग। छत्तीसगढ़ में उद्योगों का केंद्रीयकरण एवं औद्योगिक विकास की संभावनाएं।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Ahluwalia L.J. (1985), Industrial Growth In India. Oxford University Press, New Delhi.
2. Kuchhai S.C. (1980) Industrial Economy of India (5th Edition), Chaitanya Publishing House, Allahabad.
3. औद्योगिक अर्थशास्त्र डॉ. कुलश्रेष्ठ लोक भारतीय प्रकाशन इलाहाबाद।
4. औद्योगिक अर्थशास्त्र डॉ. पी.सी. सिन्हा/पुष्पा सिन्हा नेशनल पब्लिशिंग हाउस इलाहाबाद।
5. Barthwal R.R. (1985) Industrial Economics, Weley Ltd. New Delhi.
6. Cherunilam, F. (1994) Industrial Economics : India Perspective (3rd Edition) Himalaya Publishing House, Mumbai.

Syllabus for 4 year Undergraduate Program

FYUGP

Department of Economics

सेशन – 2025–26	प्रोग्राम – बी.ए.
सेमेस्टर – VIII	कोर्स शीर्षक – उन्नत व्यष्टि अर्थशास्त्र –II
कोर्स प्रकार – **DSC**	कोर्स कोड –
क्रेडिट – 04	लेक्चर – 60
M.M.-80 (ESE)+20 (IA)	न्यूनतम पासिग मार्क– 40

कोर्स लर्निंग आउटकम - (CLO)	• विद्यार्थी व्यष्टि अर्थशास्त्र की महत्वपूर्ण अवधारणाओं को समझ सकेगा । • लगान, ब्याज, मजदूरी और लाभ के परंपरागत एवं आधुनिक सिद्धांतो को समझ सकेंगे। • कल्यणवादी अर्थशास्त्र की अवधारणा को समझ सकेंगे।

5/1 10.7.2025 Ishwari

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
बी.ए. सेमेस्टर – VIII
उन्नत व्यष्टि अर्थशास्त्र – II
(Advanced Micro Economics - II)
DSC

इकाई – 1 सीमांत विश्लेषण का आलोचनात्मक मूल्यांकन, बामोल का विकी आय अधिकतमीकरण मॉडल, विलियमसन का प्रबंधकीय मॉडल, मैरिस का प्रबंधकीय उद्यम मॉडल, पूर्ण लागत कीमत निर्धारण नियम, बेन का सीमा–कीमत निर्धारण सिद्धांत और इसके नवीन विकास सिद्धांत साइलोस लेबिनी मॉडल सहित, फर्म का व्यवहारवादी मॉडल।

इकाई – 2 वितरण का नव प्रतिष्ठित दृष्टिकोण और सामान्य संतुलन, सीमांत उत्पादकता सिद्धांत, उत्पाद समाप्ति प्रमेय, तकनीकी स्थानापत्ति की लोच, तकनीकी प्रगति और साधन अंश, अपूर्ण उत्पाद और साधन बाजार में वितरण के सिद्धांत, लगान, मजदूरी, ब्याज और लाभ का निर्धारण।

इकाई – 3 कल्याण मापन में समस्याएं प्रतिष्ठित कल्याणकारी अर्थशास्त्र, पीगू का कल्याणकारी अर्थशास्त्र, परेटो का अनुकूलतम शर्तें, मूल्य–निर्णय, सामाजिक कल्याण फलन, ऐरो का सिद्धांत, क्षतिपूर्ति सिद्धांत, काल्डोर हिक्स, अनुकूलतम कल्याण प्राप्त करने में असमर्थता बाजार की अपूर्णताएं, लिटिल सिद्धांत।

इकाई – 4 आंशिक एवं सामान्य संतुलन, वालरस का आधिक्य भांग एवं आगत–निर्गत दृ ष्टिकोण, संतुलन एवं सामान्य संतुलन का अस्तित्व, स्थिरता एवं अनुपमेयता, फर्म का करारोपण एवं संतुलन।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Sen, A. (1990) Micro Economic Theory and Application, Oxford University Press, New Delhi.
2. Stigler, G (1996) Theory of Price (4th Edition) Prentice Hall of India New Delhi.
3. Varian, H. (2000) Micro Economic Analysis, W.W.Norton, New York.
4. Bamol, Wj. (1982) Economic Theory and Operations Analysis, Prentic Hall of India, New Delhi.
5. Hirshleifer, T. and A. Glezer (1977) Price Theory and Application Prentice Hall of India, New Delhi.

10.7.2025

Ishwari

Syllabus for 4 year Undergraduate Program

FYUGP

Department of Economics

सेशन – 2025–26	प्रोग्राम – बी.ए.
सेमेस्टर – **VIII**	कोर्स शीर्षक – उन्नत समष्टि अर्थशास्त्र –**II**
कोर्स प्रकार – **DSE -1A**	कोर्स कोड –
क्रेडिट – 04	लेक्चर – 60
M.M.-80 (ESE)+20 (IA)	न्यूनतम पासिग मार्क– 40

कोर्स लर्निंग आउटकम - (CLO)	• विद्यार्थी मुद्रा स्फीति के विभिन्न सिद्धांतो को जान सकेंगा। • व्यापार चक्र के विभिन्न सिद्धांतों को समझ सकेगा । • मौद्रिक एवं राजकोषीय नीति के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगा ।

10.7.2025

Ishwari

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
बी.ए. सेमेस्टर – VIII
उन्नत समष्टि अर्थशास्त्र – II
(Advanced Macro Economics - II)
DSE – 1A

इकाई – 1 स्फीति के सिद्धांत स्फीति के प्रतिष्ठत, कीन्सयन एवं मुद्रावादियों के दृष्टिकोण, स्फीति का संरचनात्मक सिद्धांत, फिलिप्स वक विश्लेषण, अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन फिलिप्स वक विश्लेषण, बेरोजगारी की प्राकृतिक दर की परिकल्पना, टोबिन का परिष्कृत फिलिप्स वक, स्फीति का नियंत्रण (गतिहीन स्फीति)

इकाई – 2 व्यापार चक–व्यापार चक के सिद्धांत, व्यापार चक्र की विशेषताएं, व्यापार चक के प्रकार एवं सिद्धांत, व्यापार चक का मनोवैज्ञानिक सिद्धांत, हाट्रे का मौद्रिक सिद्धांत, शुम्पीटर, कीन्स, हिक्स, सैम्मुलसन कालडोर के सिद्धांत।

इकाई – 3 मौद्रिक नीति–मौद्रिक नीति का अर्थ, मौद्रिक नीति के उपकरण, मौद्रिक नीति के उद्देश्य, मौद्रिक नीति की सीमाएं, मौद्रिक नीति एवं आर्थिक विकास नवप्रतिष्ठित समष्टि अर्थशास्त्र, मौद्रिक नीति की कार्यविधि, अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय तरलता की समस्या, एस.डी.आर. एवं नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था।

इकाई –4 राजकोषीय नीति–राजकोषीय नीति का अर्थ राजकोषीय नीति के उपकरण, राजकोषीय नीति के उद्देश्य, सीमाएं, राजकोषीय नीति एवं आर्थिक विकास, राजकोषीय नीति के प्रभाव, भारत की राजकोषीय नीति, मौद्रिक एवं राजकोषीय नीतियों का मिश्रण।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. मेक्रो अर्थशास्त्र – टी.टी. सेठी
2. मेक्रो आर्थिक विश्लेषण – वार्ष्णेय एवं मिश्रा
3. Jka R- – Contemporary Macro Economics Theory And Policy
4. समष्टिगत आर्थिक विश्लेषण– मिश्रा एवं गुप्ता
5. समष्टि अर्थशास्त्र – जी.सी. सिंघई
6. समष्टिगत अर्थशास्त्र – वी.सी. सिन्हा।

Ishwari

10-7-2025

Syllabus for 4 year Undergraduate Program

FYUGP

Department of Economics

सेशन – 2025–26	प्रोग्राम – बी.ए.
सेमेस्टर – VIII	कोर्स शीर्षक – भारतीय आर्थिक नीति – I
कोर्स प्रकार – **DSE -1B**	कोर्स कोड –
क्रेडिट – 04	लेक्चर – 60
M.M.-80 (ESE)+20 (IA)	न्यूनतम पासिंग मार्क– 40

कोर्स लर्निंग आउटकम - (CLO)	• छात्र भारत की राष्ट्रीय आय, भारत में बचत विनियोग एवं पूंजी निर्माण दर की जानकारी प्राप्त करेंगे। • भारत की जनांकिकीय विशेषताएं जान सकेंगे। • भारत मे कृषि एवं औद्योगिक वितरण जान सकेंगे।

Sumita

Dr. Sumita Shrivastava

Dr. Meena prasad –

Dr. Dinesh Prasad –

Dr. Khemarani Dubey –

अर्थशास्त्र

सत्र 2025–26

बी.ए. सेमेस्टर – VIII

भारतीय आर्थिक नीति – I

(Indian Economic Policy - I)

DSE – 1B

इकाई – 1 भारत की राष्ट्रीय आय एवं सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) सकल घरेलू उत्पाद एवं राष्ट्रीय आय के घटक एवं संरचना, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में प्राथमिक, द्वितीयक एवं सेवाक्षेत्र की भूमिका, राष्ट्रीय आय एवं प्रति व्यक्ति आय, सकल घरेलू उत्पाद एवं प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर, भारत में बचत, विनियोग एवं पूंजी निर्माण दर। ग्रामीण क्षेत्र में पूंजी निर्माण, बचत दर, ग्रामीण विकास की रणनीति।

इकाई – 2 भारतीय जनसंख्या की जनांकिकीय विशिष्टताएं– भारत में जनसंख्या का आकार एवं वृद्धि दर, जनसंख्या में लिंगानुपात, आयु–संरचना एवं घनत्व, शहरी–ग्रामीण प्रवासन, शहरीकरण एवं नागरिक जरूरतें, व्यावसायिक संरचना, जनसंख्या के गुण, राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, छत्तीसगढ़ राज्य की जनांकिकी विशेषताएं।

इकाई – 3 भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि विकास कृषि विकास एवं उत्पादकता, भारत में निम्न उत्पादकता के कारण एवं बढ़ाने के उपाय, संस्थागत संरचना–भारत में भू–सूधार, कृषि में तकनीकी परिवर्तन हरित क्रांति, हरित क्रांति का द्वितीय चरण, राष्ट्रीय कृ षि नीति। छत्तीसगढ़ की कृषि की विशेषताएं। नाबार्ड एवं कृषि वित्त, भारतीय कृषि में क्षेत्रीय विषमताएं।

इकाई – 4 भारत में औद्योगिक विकास औद्योगिक नीति 1956 एवं 1991, सार्वजनिक क्षेत्र के उपकम एवं उनकी स्थिति, निजीकरण एवं विनिवेशीकरण वाद–विवाद, लघु पैमाने के क्षेत्र, बीमार इकाईयों की समस्याएं और अर्थव्यवस्था का ज्ञान। छत्तीसगढ़ के उद्योगों की सामान्य समस्याएं।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Ahulwalia I.J. and Im.D. Little (Ed.) 1999 : India's Economic Reforms and Development (Eassays Honor of Manohar Singh) Oxford University Press New York.
2. Bardhan P.K. (9th Edition 1998) : The Political Economy of Development India, Oxford University Press, New Delhi.
3. Bawa R.S. And Raikhy (Ed. 1997) : Structural Change in Indian Economy, Guru Nanak Dev University Press Amritsar.
4. Dontwala M.L. (1996): Dilemmans Growth : The Indian Experience, Saga Publications, New Delhi.

Sumit

Dr Sumita Shrivastava

Dr. Meena prasad,

Dr. Dinesh Prasad –

Dr. Khema rani Saby –

Syllabus for 4 year Undergraduate Program

FYUGP

Department of Economics

सेशन – 2025–26	प्रोग्राम – बी.ए.
सेमेस्टर – VIII	कोर्स शीर्षक – भारतीय आर्थिक नीति – II
कोर्स प्रकार – **DSE -1C**	कोर्स कोड –
क्रेडिट – 04	लेक्चर – 60
M.M.-80 (ESE)+20 (IA)	न्यूनतम पासिग मार्क– 40

कोर्स लर्निंग आउटकम - (CLO)	• छात्र भारतीय अर्थव्यवस्था में योजना प्रक्रिया और इसकी उपलब्धियों के बारे में जान सकेंगे। • छात्र भारतीय अर्थव्यवस्था में विदेशी व्यापार की भूमिका तथा भारत में विदेशी व्यापार के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

Ishwari,

10.7.2025

Dr. Dinesh Prasad –

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
बी.ए. सेमेस्टर – VIII
भारतीय आर्थिक नीति - II
(Indian Economic Policy - II)
DSE - 1C

इकाई – 1 भारत में नियोजन उद्देश्य एवं व्यूहरचना, एल.पी.जी. (उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण) विकास के मॉडल, बारहवीं पंचवर्षीय योजना, विकास के लिए निचले स्तर की संगठन पंचायतें, स्वैच्छिक संगठन (छळटै), नीति आयोग।

इकाई – 2 गरीबी और असमानता की समस्या गरीबी का अर्थ, माप एवं भारत में गरीबी के अनुमान, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गरीबी, आय की असमानता की तुलना, गरीबी उन्मूलन योजनाएँ और उनकी असफलताओं के कारण, छत्तीसगढ़ में गरीबी, भारत में बेरोजगारी की समस्या, बेरोजगारी का स्वरूप, बेरोजगारी दूर करने के लिए किए गए विभिन्न प्रयास, महात्मा गाँधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कार्यकम, (मनरेगा)

इकाई – 3 भारतीय अर्थव्यवस्था में लोक वित्त राजकोषीय संघवाद, केन्द्र–राज्य वित्तीय संबंध, वित्त आयोग के 14 वीं रिपोर्ट का विश्लेषण, 15 वीं वित्त आयोग केन्द्र राज्य में वित्तिय विरोधाभास, सुधार के संबंध में केलकर रिपोर्ट, भारत में वित्तीय क्षेत्र में सुधार।

इकाई – 4 भारतीय अर्थव्यवस्था का बाह्यक्षेत्र विदेशी व्यापार की संरचना एवं दिशाएं, भारत का भुगतान संतुलन, आयात निर्यात की नीति, भारतीय रूपये का बाह्य मूल्य एवं विदेशी विनिमय कोष, फेमा (विदेशी विनिमय प्रबंध अधिनियम), भारत में व्यापार–सुधार। विश्व व्यापार संगठन एवं भारत।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Bardhan P.K. (9th Edition 1998) : The Political of Development India. Oxford University Press, New Delhi.
2. Bawa R.S. And Raikhy (Rd. 1997) : Structural Change in Indian Economy, Guru Nanak Dev University Press Amritsar.
3. Chakravarty. S. (1987) Development Planning : The Indian Experience, Oxford University Press New Delhi.
4. Dontwala M.L. (1987) : Dilemmans Growth : The Indian Experience, Saga Publications, New Delhi.

10.7.2025

Ishwari.

Syllabus for 4 year Undergraduate Program

FYUGP

Department of Economics

सेशन – 2025–26	प्रोग्राम – बी.ए.
सेमेस्टर – **VIII**	कोर्स शीर्षक – श्रम अर्थशास्त्र
कोर्स प्रकार – **DSE -1D**	कोर्स कोड –
क्रेडिट – 04	लेक्चर – 60
M.M.-80 (ESE)+20 (IA)	न्यूनतम पासिंग मार्क– 40

कोर्स लर्निंग आउटकम - (CLO)	• विद्यार्थी श्रम बाजार का महत्व एवं श्रमिकों की प्रवासी प्रकृति के कारणों को समझ सकेंगे। • छात्र वर्तमान मजदूरी सिद्धांतों, भारतीय श्रम नीति के साथ–साथ भारत में औद्योगिक संघर्ष के बारे में जान सकेंगे। • भारत में बाल एवं महिला श्रमिकों की स्थिति एवं छत्तीसगढ़ में श्रम पलायन के बारे में छात्र जान सकेंगे।

10-7-2025

Bhuvaní.

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
बी.ए. सेमेस्टर – VIII
श्रम अर्थशास्त्र
(Labour Economics)
DSE - 1D

इकाई – 1 श्रम अर्थशास्त्र परिभाषा, क्षेत्र व महत्व। श्रम बाजार एवं भारत में श्रम बाजार की विशेषताएं, भारतीय श्रमिकों की विशेषताएं एवं प्रवासी प्रवृत्ति प्रभाव एवं दूर करने के उपाय। कारण,
श्रमिकों का जीवन स्तर भारत में श्रमिकों का जीवन स्तर एवं उसकी कार्यकुशलता।
श्रम नीति भारत में श्रम नीति के उद्देश्य, महत्व व विशेषताएं।

इकाई – 2 भारतीय उद्योगों में विवेकीकरण। मजदूरी भुगतान की रीतियां समयानुसार मजदूरी एवं कार्यानुसार मजदूरी। मजदूरी के सिद्धांत न्यनतम मजदूरी नीति, उचित मजदूरी नीति एवं जीवन निर्वाह मजदूरी सिद्धांत।

इकाई – 3 भारत में श्रमिक संघ आंदोलन की वर्तमान समस्याएं एवं उन्हे दूर करने के उपाय। सामूहिक सौदेबाजी भारत में सामूहिक सौदेबाजी की आवश्यकता। औद्योगिक संघर्ष या विवाद भारत में औद्योगिक संघर्ष के कारण, परिणाम एवं दूर करने के उपाय। भारत में बेरोजगारी के कारण, परिणाम व दूर करने के उपाय।

इकाई – 4 भारत में श्रम कल्याण आशय, महत्व एवं सरकार द्वारा उठाये गये कदम। भारत में सामाजिक सुरक्षा आशय, विशेषताएं एवं बेहतर बनाने के सुझाव । भारत में बाल एवं महिला श्रमिकों की स्थिति। छत्तीसगढ़ में श्रम पलायन के कारण, प्रभाव व रोकने के उपाय।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Hajela. P.D. (1998) Labour Restructuring in India : A Critique of the New Economic Policies, Common Wealth Publishers, New Delhi.
2. Papola, T.S.P. Ghosh and A.N. Sharma (Eds) (1993) Labour, Employment and Relations in India B.R. Publishing Corporation, New Delhi.
3. वी.सी. सिन्हा – श्रम अर्थशास्त्र
4. श्रम समस्याएं व सामाजिक सुरक्षा – डॉ एस.सी. सक्सेना।

10.7.2025

Ishwari.

Syllabus for 4 year Undergraduate Program

FYUGP

Department of Economics

Syllabus for more than 7.5 CGPA

सेशन – 2025–26	प्रोग्राम – बी.ए.
सेमेस्टर – VIII	कोर्स शीर्षक – उन्नत व्यष्टि अर्थशास्त्र – II
कोर्स प्रकार – **DSC**	कोर्स कोड –
क्रेडिट – 04	लेक्चर – 60
M.M.-80 (ESE)+20 (IA)	न्यूनतम पासिग मार्क– 40

कोर्स लर्निंग आउटकम - (CLO)	• विद्यार्थी व्यष्टि अर्थशास्त्र की महत्वपूर्ण अवधारणाओं को समझ सकेगा । • लगान, ब्याज, मजदूरी और लाभ के परंपरागत एवं आधुनिक सिद्धांतो को समझ सकेंगे। • कल्यणवादी अर्थशास्त्र की अवधारणा को समझ सकेंगे।

अर्थशास्त्र

सत्र 2025–26

बी.ए. सेमेस्टर – VIII

उन्नत व्यष्टि अर्थशास्त्र – II

(Advanced Micro Economics - II)

DSC

इकाई – 1 सीमांत विश्लेषण का आलोचनात्मक मूल्यांकन, बामोल का विकी आय अधिकतमीकरण मॉडल, विलियमसन का प्रबंधकीय मॉडल, मैरिस का प्रबंधकीय उद्यम मॉडल, पूर्ण लागत कीमत निर्धारण नियम, बेन का सीमा–कीमत निर्धारण सिद्धांत और इसके नवीन विकास सिद्धांत साइलोस लेबिनी मॉडल सहित, फर्म का व्यवहारवादी मॉडल।

इकाई – 2 वितरण का नव प्रतिष्ठित दृष्टिकोण और सामान्य संतुलन, सीमांत उत्पादकता सिद्धांत, उत्पाद समाप्ति प्रमेय, तकनीकी स्थानापत्ति की लोच, तकनीकी प्रगति और साधन अंश, अपूर्ण उत्पाद और साधन बाजार में वितरण के सिद्धांत, लगान, मजदूरी, ब्याज और लाभ का निर्धारण।

इकाई – 3 कल्याण मापन में समस्याएं प्रतिष्ठित कल्याणकारी अर्थशास्त्र, पीगू का कल्याणकारी अर्थशास्त्र, परेटो का अनुकूलतम शर्तें, मूल्य–निर्णय, सामाजिक कल्याण फलन, ऐरो का सिद्धांत, क्षतिपूर्ति सिद्धांत, काल्डोर हिक्स, अनुकूलतम कल्याण प्राप्त करने में असमर्थता बाजार की अपूर्णताएं, लिटिल सिद्धांत।

इकाई – 4 आंशिक एवं सामान्य संतुलन, वालरस का आधिक्य भांग एवं आगत–निर्गत दृष्टिकोण, संतुलन एवं सामान्य संतुलन का अस्तित्व, स्थिरता एवं अनुपमेयता, फर्म का करारोपण एवं संतुलन।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Sen, A. (1990) Micro Economic Theory and Application, Oxford University Press, New Delhi.
2. Stigler, G (1996) Theory of Price (4th Edition) Prentice Hall of India New Delhi.
3. Varian, H. (2000) Micro Economic Analysis, W.W.Norton, New York.
4. Bamol, Wj. (1982) Economic Theory and Operations Analysis, Prentic Hall of India, New Delhi.
5. Hirshleifer, T. and A. Glezer (1977) Price Theory and Application Prentice Hall of India, New Delhi.

Ishwari

Syllabus for 4 year Undergraduate Program

FYUGP

Department of Economics

Syllabus for more than 7.5 CGPA

सेशन – 2025–26	प्रोग्राम – बी.ए.
सेमेस्टर – **VIII**	कोर्स शीर्षक – उन्नत समष्टि अर्थशास्त्र **–II**
कोर्स प्रकार – **DSE**	कोर्स कोड –
क्रेडिट – 04	लेक्चर – 60
M.M.-80 (ESE)+20 (IA)	न्यूनतम पासिग मार्क– 40

कोर्स लर्निंग आउटकम - (CLO)	• विद्यार्थी मुद्रा स्फीति के विभिन्न सिद्धांतो को जान सकेंगा। • व्यापार चक्र के विभिन्न सिद्धांतों को समझ सकेगा । • मौद्रिक एवं राजकोषीय नीति के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगा ।

Sumit

अर्थशास्त्र
सत्र 2025–26
बी.ए. सेमेस्टर – VIII
उन्नत समष्टि अर्थशास्त्र – II
(Advanced Macro Economics - II)
DSE –

इकाई – 1 स्फीति के सिद्धांत स्फीति के प्रतिष्ठत, कीन्सयन एवं मुद्रावादियों के दृष्टिकोण, स्फीति का संरचनात्मक सिद्धांत, फिलिप्स वक विश्लेषण, अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन फिलिप्स वक विश्लेषण, बेरोजगारी की प्राकृतिक दर की परिकल्पना, टोबिन का परिष्कृत फिलिप्स वक, स्फीति का नियंत्रण (गतिहीन स्फीति)

इकाई – 2 व्यापार चक–व्यापार चक के सिद्धांत, व्यापार चक्र की विशेषताएं, व्यापार चक के प्रकार एवं सिद्धांत, व्यापार चक का मनोवैज्ञानिक सिद्धांत, हाट्रे का मौद्रिक सिद्धांत, शुम्पीटर, कीन्स, हिक्स, सैम्मुलसन कालडोर के सिद्धांत।

इकाई – 3 मौद्रिक नीति–मौद्रिक नीति का अर्थ, मौद्रिक नीति के उपकरण, मौद्रिक नीति के उद्देश्य, मौद्रिक नीति की सीमाएं, मौद्रिक नीति एवं आर्थिक विकास नवप्रतिष्ठित समष्टि अर्थशास्त्र, मौद्रिक नीति की कार्यविधि, अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय तरलता की समस्या, एस.डी.आर. एवं नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था।

इकाई –4 राजकोषीय नीति–राजकोषीय नीति का अर्थ राजकोषीय नीति के उपकरण, राजकोषीय नीति के उद्देश्य, सीमाएं, राजकोषीय नीति एवं आर्थिक विकास, राजकोषीय नीति के प्रभाव, भारत की राजकोषीय नीति, मौद्रिक एवं राजकोषीय नीतियों का मिश्रण।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. मेक्रो अर्थशास्त्र – टी.टी. सेठी
2. मेक्रो आर्थिक विश्लेषण – वार्ष्णेय एवं मिश्रा
3. Jka R- – Contemporary Macro Economics Theory And Policy
4. समष्टिगत आर्थिक विश्लेषण– मिश्रा एवं गुप्ता
5. समष्टि अर्थशास्त्र – जी.सी. सिंघई
6. समष्टिगत अर्थशास्त्र – वी.सी. सिन्हा।

Syllabus for 4 year Undergraduate Program

FYUGP

Department of Economics

Syllabus for more than 7.5 CGPA

सेशन – 2025–26	प्रोग्राम – बी.ए.
सेमेस्टर – VIII	कोर्स शीर्षक – प्रोजेक्ट कार्य
कोर्स प्रकार – प्रोजेक्ट	कोर्स कोड –
क्रेडिट – 12	लेक्चर –
M.M.-300	न्यूनतम पासिंग मार्क– 40%

कोर्स लर्निंग आउटकम - (CLO)	**(i)**	विद्यार्थी आर्थिक सिद्धांतों के व्यवहारिक अनुप्रयोग समझ सकेंगे
	(ii)	विद्यार्थी समंक विश्लेषण, आलोचनात्मक समझ एवं समस्या समाधान की एकता विकसित कर सकेंगे
	(iii)	विद्यार्थी की रिपोर्ट लेख की क्षमता विकसित हो सकेगी।

कोर्स पाठ्यक्रम 2025–26

प्रोजेक्ट कार्य विभाग के अकादमिक पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग है यह ज्ञान एवं व्यवहारिकता के अंतराल को कम करने का प्रयास है।

संभावित रूप रेखा :–

1. विषय का चयन :–

2. प्रोजेक्ट रिपोर्ट की रूप रेखा :–

(i) अध्याय 1 :– प्रस्तावना

(ii) अध्याय 2 :– साहित्य समीक्षा एवं शोध प्रविधि

(iii) अध्याय 3 :– अध्ययन क्षेत्र संबंधी सामान्य विवरण

(iv) अध्याय 4 :– संकलित समंको का अस्थाई विश्लेषण एवं निवर्चन

(v) अध्याय 5 :– निष्कर्ष

(vi) ग्रंथ सूचि :–

(vii) परिशिष्ट

प्रोजेक्ट रिपोर्ट का विस्तार

(i) 40 से 60 पृष्ठ
(ii) एलाइनमेंट जस्टीफाई
(iii) फान्ट – टाइम्स न्यू रोमन / कृतिदेव
(iv) फान्ट साईज – 12
(v) लाइन स्पेसिंग – 1.5

Ishwari.